जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

मामनुस्मर युद्ध्य च
जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़

भारत सरकार पंजीयन नं. : 72322/91

शेखावाटी सन्मार्ग

सतीनां वै सतांचैव दातृणां विदुषां तथा।
आकरं गुण शीलानां लक्ष्मणदुर्गं मनोहरम्।।

नमोस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै।
नमोस्तु रुद्रेन्द्र यमानिलेभ्यो नमोस्तु चन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः।।

Mob: 9828665353
Web: www.srrividya.com

पाक्षिक । वर्ष–32। अंक–17। लक्ष्मणगढ 16 जून 2023 । मूल्य (विशेषांक सहित) 100 रू. वार्षिक ।

निर्जला एकादशी के अवसर पर जगह - जगह चला दान पुण्य का दौर

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | नागरिक परिषद् की ओर से गणेश जी के मंदिर के पास राहगीरों को मिल्करोज पिलाया । इस अवसर पर परिषद् के उपाध्यक्ष पवन गोयनका, संरक्षक रामस्वरूप सोमाणी, भगवती काबरा, सचिव निशांत गोयनका, सहसचिव प्रवीण वर्मा, सचिन झांकल, मनोज बनाईवाला, अनिल सोमानी, लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला, अनिल चिरानियां, रवि मराठा, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष संदीप बजाज, रवि जाजोदिया, सुशील मारोठवाला, विकास सैनी, बासुदेव सैनी, मुकेश सैनी, अशोक स्वामी आदि ने सेवाएं दी। इसी प्रकार रघुनाथ जी के मंदिर के पास अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन की ओर से स्व. विश्वनाथ सावित्री चमड़िया ट्रस्ट के सौजन्य से गन्ने का रस पिलाया गया। अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री दीपक जाजोदिया व प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश सरावगी के निर्देशन में सुभाष जाजोदिया, नरेश बजाज, दिनेश सांडिया, मेहुल खेड़िया, अजय जाजोदिया, अतुल जाजोदिया, राकेश नाऊवाला व पार्षद विष्णु खांडल सहित अन्य ने सेवाएं दी। महात्मा ज्योतिबा फुले विकास समिति की ओर से पुराने बस स्टैंड पर संरक्षक रामावतार सिंगोदिया, अध्यक्ष विनोद गौड़, महावीर जाजम, फुले ब्रिगेड युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मनोज़ राकसिया, शुभकरण चूनवाल, महेश गौड़, देवाराम आदि ने राहगीरों एवं यात्रियों को गन्ने का जूस पिलाया। बालाजी भक्त मंडल की ओर से पाइनेपल का जूस पिलाया गया। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट की ओर से भैरव भवानी चौक में सरकारी अस्पताल के पास भी लोगों को रस पिलाया गया। भगवा रक्षा वाहिनी की ओर से प्रवासी भामाशाह प्रभुदयाल काबरा के सौजन्य से गोवंश को हरा चारा, गुड़ आदि खिलाया गया रामगढ़ शेखावाटी । प्रतापेश्वर महादेव मंदिर के सामने शिव भक्तों द्वारा अमरस, पुराना बस स्टैंड पर करणी माता बालाजी भक्त मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा जलजीरा तथा गन्ने का जूस, नया बस स्टैंड पर खटीक समाज द्वारा लस्सी, खटीकान प्याऊ पर कार्यकर्ताओं द्वारा मिल्करोज, लोकसेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा कैरी का जूस पिलाया । श्री श्याम मित्र मंडल के कार्यकर्ताओं ने श्रीकृष्ण गोशाला, बीड़ की गोशाला में गायों को तरबूज खिलाए गए।

कवि सुरेश बांगड़ ने सांसद, पूर्व सांसद और जिला अध्यक्षा को भेंट की पुस्तक

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | कवि सुरेश बांगड़ ने सांसद सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व सांसद सुभाष महरिया, जिला अध्यक्षा इंदिरा चौधरी को अपनी स्वरचित काव्य रचना की पुस्तक भेंट की कार्यक्रम में उनके साथ सूर्य प्रकाश भी थे। कंवि ने अपनी आगामी जो पुस्तक आ रही है उसके लिए भी चर्चा की और कहा ऐसी ही सरलतम काव्य रचना की पुस्तक आने वाली है साहित्य हर विचारों से ऊपर है।

दसवीं के परीक्षा परिणाम में मयूर स्कूल का रहा दबदबा

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा घोषित कक्षा दसवी के परीक्षा परिणाम में शीतला चौक स्थित मयूर इंग्लिश स्कूल के विद्यार्थियों ने सर्वोच्च अंक प्राप्त कर नगर में अपने विद्यालय, माता- पिता का नाम रोशन किया ! छात्रा तनीषा जाजोदिया पुत्री राजीव नारायण जाजोदिया ने 92.50 प्रतिशत, प्रियंका शर्मा पुत्री नरेश शर्मा ने 91.00 प्रतिशत अंक प्राप्त किये! प्रविष्ट विधार्थियो में से 50 प्रतिशत विधार्थियो ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये। सभी विधार्थियो ने प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की। परीक्षा परिणाम को देखकर संस्था संचालिका सोमश्री शेखावत एवं प्रबंधक सुभाष शर्मा ने प्रसन्नता जाहिर करते हुये सभी को शुभकामनायें प्रेषित की।

आचार्य श्री महावीर प्रसाद दाधीच का वैकुण्ठवास

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | श्री ऋषिकुल विद्यापीठ के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष आचार्य महावीर प्रसाद दाधीच एम. ए., बी. एड., साहित्य रत्न दि. 5 जून को प्रातः 6:30 बजे दिवंगत हो गये | वे पिछले माह से सामान्यतः अस्वस्थ थे | आचार्य उनका उपनाम था | वे ऋषिकुल में पढ़े, ऋषिकुल में शिक्षक नियुक्त हुये और हिन्दी विभागाध्यक्ष पद पर ही सेवा मुक्त हो गये | विद्यार्थी काल में वे फुटबाल के श्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक थे | साथ ही 100 गज की दौड़, लम्बी कूद एवं ऊँची कूद के एक नम्बर के खिलाड़ी थे | हास्य नाटकों में उन्होंने एक नम्बर के अभिनेता के रुप में भाग लिया और अनेक पुरस्कार पाये | हिन्दी एवं गीता जयन्ती, वाद – विवाद प्रतियोगिता में भी उन्होंने प्रथम पुरस्कार पाये | उनका हिन्दी का रिजल्ट भी सदा सर्वश्रेष्ठ रहा | उनकी आयु करीब 90 वर्ष के समीप थी | वे श्रेष्ठ भाषणकर्ता एवं श्रेष्ठ लेखक भी थे | वे लक्ष्मणगढ़ तहसील के शेखीवास गाँव के मूल निवासी थे | उनके पूज्य पिताजी श्री पं. गणेश नारायण जी दाधीच थे | श्री महावीर जी का परिवार स्वस्थ, शिक्षित एवं समृद्ध हैं, उनके सभी सुपुत्र एवं तीनों सुपुत्रियाँ व्यवस्थित हैं – श्री पवन कुमार दाधीच, स्व. श्री परमानन्द दाधीच, श्री विश्वनाथ दाधीच, श्री बाबूलाल दाधीच ये उनके सुपुत्र हैं | उनके द्वितीय पुत्र श्री परमानन्द दाधीच एक श्रेष्ठ अध्यापक थे, जिनका असमय में देहांत हो गया | उनके निधन से शेखावाटी हिन्दी साहित्य के श्रेष्ठ विद्वान् की सेवा से सदा के लिये वंचित हो गई है | श्री शारदा सदन पुस्तकालय में उनके शोक में एक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें उन्हें करीब पन्द्रह व्यक्तियों ने सादर श्रद्धांजलि भेंट की | उनमें से कुछ नाम इस प्रकार है :- श्री नटवरलाल जोशी, श्री सुरेश मिश्र, श्री अमित शर्मा, श्री छगनलाल शर्मा, श्री गणनाथ मिश्र, श्री रामावतार पंवार, श्री शशिकान्त जोशी, श्री पुरुषोत्तम मिश्र, श्री सुरेन्द्र इन्दौरिया, श्री आशकरण शर्मा आदि |

सीकर से तिरूपति तक शुरू हुई ट्रेन

सांसद ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सीकर (निजसंवाददाता) । सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने सीकर से तिरूपति के लिए ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन हर शनिवार को शाम 6.40 पर सीकर स्टेशन से रवाना होकर सोमवार को तिरूपति पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन मंगलवार को तिरूपति से रवाना होगी। गौरतलब है कि हिसार से तिरूपति तक चलने वाली ट्रेन से सीकर के यात्रियों को काफी फायदा होगा। इस मौके पर सांसद ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं ट्रेन स्टॉफ को माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान सुरेश सैनी, विजय सैनी, जितेन्द्र कारंगा सहित अनेक भाजपाई मौजूद रहे।

गोयनका महिला महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | नेशनल हाइवे एन.एच.-52 स्थित, मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। पर्यावरण दिवस का कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कॉलेज प्राचार्य डॉ. संदीप मिठारवाल के द्वारा किया गया। प्राचार्य डॉ. मिठारवाल ने बताया कि पर्यावरण का सुरक्षित रहना हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक हैं। पौधों के द्वारा मनुष्य जीवन बहुत प्रभावित होता हैं तथा पौधे हमारे जीवन के लिए उपयोगी ही नहीं बल्कि अति आवश्यक हैं। उन्होंने बताया की अगर प्रकृति सुरक्षित नहीं होगी तो मनुष्य जीवन के लिए नकारात्मक संकेत हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं व स्टाफ सदस्यों के द्वारा पौधारोपण किया गया तथा पौधों को सुरक्षित रखने की शपथ ली गई। कार्यक्रम में ए.एन.ओ. प्रियंका, प्रवक्ता उमेश चन्देल, शिवचन्द, मुकेश गोदारा, सुनिल कुमार, रजनी झाझड़िया, रूपचन्द, अशोक बबेरवाल सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे |

सम्पादकीय

" सन्मार्ग एव सर्वत्र पूज्यतेनाऽपथ: क्वचित् "

नगर के ख्यातिप्राप्त वॉलीबाल खिलाड़ी "वैद्य श्री सत्यनारायण जोशी"

अगर यह कहा जाय कि लक्ष्मणगढ़ का प्रिय खेल वालीबाल है, तो किसी तरह को अत्युक्ति नहीं होगी । वालीबाल का खेल इस नगर में पिछले 50 वर्षों से लोक प्रिय रहा है तथा इसी कारण यहाँ के खिलाड़ियों ने न केवल राज्य स्तर पर ही अपितु अखिल भारतीय स्तर पर बालीवाल का प्रतिनिधित्व किया है, जो नगर के लिए गौरव की बात है। निसंदेह इस नगर में वालीबाल खेल की एक लम्बी परम्परा रही है और यहाँ के खेल- प्रेमियों की ओर से बराबर वालीबाल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होता रहा है। लक्ष्मणगढ़ के बालीबाल खिलाड़ियों का स्मरण करते हैं तो सबसे पहले सत्य-नारायण जी जोशी का नाम एक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में हमारे सामने आता है ।

श्री सत्यनारायण जी जोशी का जन्म आषाढ़ कृष्णा पंचमी संवत् 1925 में लक्ष्मणगढ़ में हुआ | आपके पिता का नाम पंडित घासीराम जी जोशी था। आपको बचपन से ही खेलकूद में रुचि थी। उस समय नगर में बालीवाल का खेल प्रारम्भ हो हुआ था लेकिन इस स्फूर्ति- दायक खेल के प्रति लोगों में अत्यधिक उत्साह था। यही कारण था कि सत्यनारायण जी की खेल- रुचि को एक अच्छा अवसर मिला और वे नगर के उदीयमान खिला-ड़ियों में अग्रणी हो गये ।

हृष्ट-पुष्ट शरीर एवं 6 फुट लम्बे कद वाले सत्य- नारायण जी इस वालीबाल खेल के लिए उपयुक्त खिलाड़ी थे । आपने मैट्रिक पास करने के पश्चात् आयुर्वेदाचार्यकी परीक्षा उत्तीर्ण की ओर ऋषिकुल विद्यापीठ में 5 वर्ष तक अध्यापन किया । सन् 47 से 51 तक आप दिगम्बर जैन दातव्य औषधालय कलकत्ता में प्रधान चिकित्सक के रूप में कार्य करते रहे और उसके पश्चात् अपने ही क्षेत्र की सेवा करने के उद्देश्य से सन् 51 में सुजानगढ़ आ गये और वहां श्री रामदेव शारदा दातव्य औषधालय में प्रधान चिकित्सक के रूप में कार्य करने लगे तथा तब से सुजानगढ़ में ही हैं।

सत्यनारायण जी सन् 1937 से 1946 तक बालीवाल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में माने जाते रहे और इस दौरान आपने जिला एवं प्रान्तीय स्तर की अनेक प्रति- योगिताओं में भाग लिया तथा अपने चमत्कारी खेल प्रदर्शन से खेल प्रेमियों को मुग्ध कर लिया। आपके खेल की कुछ ऐसी निजी विशेषताएं थीं जिनके कारण आप अन्य खिलाड़ियों से बिल्कुल भिन्न नजर आते थे । आप हमेशा नंगे पैर खेलते थे साथ ही धोती पहने रहते थे । आपने जितनी भी प्रतियोगिताओं में भाग लिया, उनमें सर्वश्रेष्ठ "स्मेशर" के रूप में पुरस्कृत होते रहे। इतना मान-सम्मान एवं लोकप्रियता प्राप्त करके भी आप में अहंकार की भावना नहीं थी। सादगी, मिलनसारिता और विनम्रता आपके व्यक्तित्व की कुछ ऐसी विशेषताए थीं जो अन्य खिलाड़ियों पर भी छाप छोड़ती थीं ।

यह भी एक प्रसन्नता की बात है कि आप खेल के मैदान में सदा भाग्यशाली रहे क्योंकि हमेशा विजेता का गौरव प्राप्त होता रहा। सत्यनारायण जी का खेल प्रदर्शन श्रेष्ठकोटि एवं स्तरीय था। एक बार सीकर में सीकर की टीम के साथ मंच था । विपक्षी टीम में राजस्थान के चार अच्छे खिलाड़ी सुमेरसिंह, लक्ष्मी- नारायण, आनन्दीलाल और रामसिंह खेल रहे थे । साथी खिलाड़ी चेतन को बुखार हो गया था। तभी जोशी ने अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ खेल प्रदर्शन किया और चार स्वर्ण पदक प्राप्त किये। यह जोशी जी के खेल जीवन की असाधारण घटना थी ।

63 वर्षीय जोशी जी के चेहरे पर आज भी वैसा ही तेज है । वे हमेशा नशे से दूर रहे। जोशी जी ने अन्य लोगों को भी इस खेल के लिए प्रेरित किया। उनके जमाने के अच्छे खिलाड़ियों में श्री सुदर्शन त्रिवेदी, श्री सत्यनारायण जाजोदिया, श्री जानकीलाल काबरा एवं श्रीपंजी चिरानियाँ के नाम विशेष उल्लेखनीय हैं ।

(श्री रमाकान्त मिश्र की लेखनी से)
शशिकान्त जोशी - सम्पादक

श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर में भजन कीर्तन का हुआ आयोजन

फतेहपुर (निजसंवाददाता) | भगवान् श्री लक्ष्मीनाथ महाराज के मंदिर में सोमवार को माताओं-बहिनों द्वारा भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया | जिसमें महिला मण्डली की ओर से बाबा के भजनों की एक से बढ कर एक प्रस्तुति दी गई।

कस्बे के किन्नर समाज की प्रमुख पूनम बाई द्वारा सोमवार को श्रीलक्ष्मीनाथ मंदिर में चांदी का छत्र चढाया गया ओर छप्पन भोग की झांकी सजायी गई संकडी गली से मंदिर तक गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर किन्नर माया बाई नवलगढ़, सिमरन बाई मनोहर पुर, सिमरन बाई बिसाऊ,अकिंत बाबा उदयपुरवाटी, सारिका बाई लक्ष्मणगढ़, सहित शेखावाटी के किन्नर समाज के लोगों ने भाग लिया। आयोजित कार्यक्रम मे महिला मण्डली की ओर से भगवान् श्री लक्ष्मीनाथ बाबा, श्याम बाबा के भजनो सहित अन्य भजनो की एक से बढ कर एक प्रस्तुती दी गई जिसमे श्रद्धालु भी झूमने को बाध्य हो गए। मन्दिर मे महिला भजन मण्डली की त्रिवेणा भोजक, मोना राय गायत्री जांगिड़, मिनाक्षी पारासर, सुमन जांगिड़ सहित अन्य महिलाओं ने भजनों की प्रस्तुतियां दी। इस दौरान मंदिर ट्रस्टी पवन खेडवाल, डीवाईएसपी राजेश विधार्थी, कोतवाल गुर भुपेन्द्र सिंह, , पवन महर्षि, एडवोकेट दीपक निर्मल, रमेश भोजक, पार्षद दिनेश बिंयाला, रमन पुरोहित सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

संस्कृत शिक्षा में पांचवीं व आठवीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम में चूक को लेकर शिक्षा मंत्री को पत्र भेजा

श्रीमाधोपुर (निजसंवाददाता) | राजस्थान संस्कृत शिक्षा विभागीय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक तिवाड़ी मऊ ने संस्कृत शिक्षा विभाग के पांचवीं व आठवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में भारी चूक के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई करने व परीक्षा परिणाम को सही करवाने की मांग को लेकर राज्य के संस्कृत शिक्षामंत्री बीडी कल्ला को पत्र प्रेषित किया है। तिवाड़ी ने बताया कि संस्कृत शिक्षा विभाग के मुख्य विषय संस्कृत को कला शिक्षा स्वास्थ्य व शारीरिक शिक्षा तथा भास्कर न्यूज श्रीमाधोपुर कार्यानुभव विषय के साथ शामिल कर दिया गया, जिसके चलते परीक्षा परिणाम में संस्कृत विषय के अंक नहीं जुड़ने से सीधा असर विद्यार्थियों की ग्रेडिंग पर पड़ा है। वहीं संस्कृत शिक्षा विभाग के कोड 95 है, उनके स्थान पर सामान्य शिक्षा विभाग के कोड 71 दर्शाए गए हैं, जो लापरवाही व कार्य के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। ऐसे अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए ताकि इस प्रकार की पुनरावृत्ति भविष्य में ना हो। वहीं संगठन के प्रदेश महामंत्री दयाल सिंह काजला ने बताया कि इस प्रकार की चूक दो साल से हो रही है।

अपील करने के पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था इसके बाद संगठन ने शिक्षा निदेशालय बीकानेर व डाइट्स में आपत्ति दर्ज करवाई थी। संगठन ने शिक्षा मंत्री को पत्र प्रेषित कर संस्कृत शिक्षा विभाग के 5वीं एवं 8वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में हुई भारी चूक को सुधरवाने व जिम्मेदारों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में संस्कृत शिक्षा निदेशक को भी पत्र भेजा गया है।

भारत 2047 तक करेगा विश्व का नेतृत्व : सांसद सुमेधानंद

सीकर (निजसंवाददाता) | युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की स्वायत्तशासी निकाय नेहरू युवा केंद्र के तत्वावधान में शनिवार को ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थान के सिल्वर जुबली हॉल में पंच प्रण पर आधारित युवा उत्सव कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में सांसद सुमेधानंद ! ने कहा कि पंच प्राण को आत्मसात् कर भारत 2047 तक वैश्विक नेतृत्व करेगा।

उन्होंने युवाओं को नैतिक शिक्षा व चरित्रवान होकर विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। सांसद ने भारत के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पद्मश्री सुंडाराम वर्मा ने प्राकृतिक खेती को पर्यावरण के लिए अतिआवश्यक बताया। उद्घाटन समारोह में नेशनल यूथ अवॉर्डी सुधेश पूनिया, ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थान अध्यक्ष इंजीनियर झाबरमल सींगड़, सचिव प्रो. आरके सिंह मंचस्थ रहे। समापन समारोह में सीएमएचओ डॉ. निर्मल सिंह, रक्त मोटिवेटर बीएल मील, सेवानिवृत्त लेखा अधिकारी रामनिवास मील ने विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र दिए।

जिला युवा अधिकारी मंगलराम जाखड़ ने बताया कि इंडिया-2047 की थीम पर आधारित कार्यक्रम में जिलेभर से । विभिन्न प्रतियोगिताओं में 15 से 29 आयु वर्ग के 200 से अधिक युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में महावीर बिश्नोई, सुरेंद्र सिंह, संगीता गर्वा, सुरेंद्र राजोरिया, सुनील सैनी, भोलाराम कुमावत, देवकिशन शर्मा व रघुवीर मील सहित कई लोग मौजूद रहे।

भगत सिंह का पत्र पिता के नाम

वर्ष 1923 में भगत सिंह की दादी जय कौर की इच्छा का सम्मान करते हुए भगत सिंह के पिता सरदार किशन सिंह ने अपने पुत्र के विवाह की तैयारियाँ शुरू कर दी। किंतु, भगत सिंह ने तो अपना जीवन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया था। वे जानते वे कि जिस पथ पर ये चले थे वह फाँसी के तख्ते पर जाकर ही समाप्त होता था। उनके बचपन के मित्र जयदेव गुप्ता ने नेहरू मेमोरियल म्यूजियम व लाइब्रेरी को दिए साक्षात्कार में बताया था कि विवाह के विषय पर बात करते समय भगत सिंह कहते थे कि उनके घर में पहले ही दो चाचियाँ वर्षों से मौन आँसू बहा रही है। एक चाचा जेल में अंग्रेजों के क्रूर अत्याचारों के परिणामस्वरूप शहीद हो गए थे और दूसरे वर्षों से निर्वासन झेल रहे थे जिनके जीवित होने की भी जानकारी नहीं थी। वे नहीं चाहते थे कि ये भी किसी निर्दोष लड़की को जीवन भर रोने के लिए छोड़ जाएँ।

वर्ष 1923 के उत्तरार्ध में बिना किसी को कुछ बताए भगत सिंह ने घर छोड़ दिया था । जाते समय वे यह पत्र अपने पिता सरदार किशन सिंह के लिए छोड़ गए थे :

"पूज्य पिता जी,

नमस्ते!

मेरी जिंदगी मकरादे-आला (उच्च उद्देश्य) यानी आजादी-ए-हिंद (भारत की स्वतंत्रता) के असूल (सिद्धांत) के लिए वक्फ (दान) हो चुकी है। इसलिए मेरी जिंदगी में आराम और दुनियावी खाहशात (सांसारिक इच्छाएँ) बायसे कशिश (आकर्षण) नहीं है।

आपको याद होगा कि जब मैं छोटा था, तो बापूजी ने मेरे यज्ञोपवीत के वक्त ऐलान किया था कि मुझे खिदमते-वतन (देश सेवा) के लिए वक्फ कर दिया गया है। लिहाजा में उस वक्त की प्रतिज्ञा पूरी कर रहा हूँ।

उम्मीद है आप मुझे माफ फरमाएँगे।

आपका ताबेदार

भजत सिंह"

(मंथन भगत सिंह विशेषांक अप्रैल – जून 2023)

शिक्षा के क्षेत्र में सदैव सिरमौर रहा है शेखावाटी : सांसद

झुंझुनूं (निजसंवाददाता) | सामाजिक दायित्वों के प्रति सदैव अग्रणी रहने वाले दैनिक भास्कर की ओर से शनिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली शिक्षण संस्थाओं का स्कूल एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान कर सम्मान किया गया। वारिसपुरा रोड स्थित नवरंग आशियाना में शनिवार शाम सात बजे हुआ। कार्यक्रम की सहयोगी संस्था नवरंग आशियाना झुंझुनूं है। समारोह में शेखावाटी के तीनों जिलों झुंझुनूं, चूरू व सीकर के 31 शिक्षण संस्थानों को सम्मानित किया गया। अतिथियों द्वारा गणेश पूजन के साथ गरिमामय कार्यक्रम की शुरुआत हुई। दैनिक भास्कर के झुंझुनूं संपादक भूपेंद्र सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद एवं शिक्षाविद नरेंद्र खीचड़ ने कहा कि शिक्षा से बड़ा कोई धन नहीं और शिक्षक से बड़ा कोई पद नहीं है। शिक्षा से ही परिवार, समाज, राज्य और देश आगे बढ़ता है। पहले बड़े शहरों में ही स्कूल होते थे। इससे गांव-ढाणियों के बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते थे, लेकिन अब शिक्षाविदों ने छोटे-छोटे गांवों में भी अच्छे स्कूल खोल दिए हैं, जिससे अब कोई बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं है।

अध्यक्षता कर रहे कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने कहा कि शेखावाटी शिक्षा के मामले में सिरमौर रहा है और दैनिक भास्कर यहां की अग्रणी शिक्षण संस्थाओं का सम्मान कर रहा है जो सराहनीय कार्य है। उन्होंने शिक्षाविदों से कहा कि वे शैक्षणिक गुणवत्ता बनाए रखें और युवा पीढ़ी को रोजगारपरक शिक्षा दें, ताकि शिक्षा के क्षेत्र में शेखावाटी का नाम हमेशा सबसे पहले लिया जाए। कार्यक्रम के दौरान शेखावाटी क्षेत्र की इन शिक्षण संस्थाओं में उच्च शिक्षा, अनुकूल वातावरण, सामाजिक व सांस्कृतिक क्रियाकलापों के साथ बेहतर परिणाम देने को प्रजेंटेशन के माध्यम से दिखाया गया।

जिला बनने से बढ़ेगी विकास की रफ्तार, रोजगार के खुलेंगे नए अवसर : विधायक

झुंझुनूं (निजसंवाददाता) | कांग्रेस के युवा संवाद कार्यक्रम में राजस्थान व्यापारिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष एवं विधायक सुरेश मोदी ने कहा कि जिला बनने से विकास की रफ्तार नहीं रुकेगी। नीमकाथाना के जिला बनने से कई जिलास्तरीय ऑफिस खुलेंगे। इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

इसका सीधा फायदा युवाओं को मिलेगा। विधायक मोदी ने आगामी चुनावों के लिए युवाओं से तैयार रहने की अपील की।

उन्होंने कहा कि नीमकाथाना में मेडिकल व नर्सिंग कॉलेज खुलवाना, सिंचाई के लिए पानी लाने एवं जिलास्तरीय पशु अस्पताल व पॉलिक्लिनिक को लेकर प्रयास किया जाएगा। मोदी ने कहा कि 10 साल भाजपा के विधायक रहे, लेकिन विधानसभा में नीमकाथाना की आवाज नहीं उठाई। भाजपा सरकार में नीमकाथाना में कोई काम नहीं हुए। उनके पास गिनाने को कुछ नहीं हैं। समारोह में युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकुल खिंचड, प्रदेश महासचिव जसविंदर चौधरी, नीमकाथाना यूथ कांग्रेस अध्यक्ष दीपेन्द्र चौधरी का स्वागत व सम्मान किया गया।

युवक कांग्रेस के चुनावों में जीत दर्ज करने पर पदाधिकारियों को साफा व मालाएं पहनाई गई। इस मौके पर उपाध्यक्ष संजय यादव, महासचिव रोहित कालावत व शीशराम यादव का भी सम्मान किया गया। मंच संचालन सुरेश खैरवा ने किया। समारोह में पीसीसी सदस्य सुमित मोदी, अनिल भाकर, पवन मील, अनिल काजला, प्रहलाद महराणियां, अजय सैनी, शाहरूख खान, राजपाल डोई, किशोर कुमावत, राजेश बाजिया, श्रीराम गुर्जर, जोगेन्द्र वर्मा, सीताराम शास्त्री, सरजीत यादव, विजय सिंघल आदि लोगों ने संबोधित किया। दिनभर चले युवक कांग्रेस के युवा संवाद कार्यक्रम में सरपंच, जिप सदस्य, पंस सदस्य, पार्षद एवं युवक कांग्रेस के पदाधिकारी व प्रमुख कार्यकर्ता शामिल हुए। दूसरे सत्र में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान हुआ।

बीकानेर - शिरडी शुरू हुई ट्रेन

लोको पायलट और गार्ड का किया अभिनंदन

लक्ष्मणगढ़ (निजसंवाददाता) | इसी सप्ताह स्वीकृति के बाद बीकानेर से शिरडी जाने वाली ट्रेन के पहली बार लक्ष्मणगढ़ स्टेशन पर पहुंचने पर भाजपा शहर मंडल, भाजपा पार्षदों तथा आमजन की ओर से स्वागत एवं अगवानी कर लोको पायलट व ट्रेन स्टाफ का अभिनंदन किया गया।

भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष मधुसूदन दायमा, पालिका में नेता प्रतिपक्ष ललित पुरोहित, वरिष्ठ पार्षद रामावतार पंवार व पवन वाल्मीकी, वरिष्ठ भाजपा नेता जयप्रकाश सरावगी की अगुवाई में पार्टी पार्षदों, कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने ट्रेन के लोको पायलट व स्टाफ को माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा महामंत्री एवं पार्षद राजेन्द्र खींची, अमित जोशी, एडवोकेट सज्जन सैनी, विष्णु शर्मा, जगदीश सैनी, पार्षद प्रतिनिधि विकास चावला, रेल यात्री संघ के बुद्धिप्रकाश व्यास, समाजसेवी श्रीकिशन पारीक, संजय शर्मा, टेंपो यूनियन के दिलीप नरेड़ा सहित अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

156 करोड़ रु. की लागत से डालेंगे 184 किमी सीवर लाइन, 19 हजार घर जोड़ेंगे

सीकर (निजसंवाददाता) | नगर परिषद ने गुरुवार को सीवर प्रोजेक्ट के तीसरे चरण का शिलान्यास किया। अमृत परियोजना 2.0 के प्रथम फेज के अंतरगत यह प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। परियोजना के तहत सीकर नगर परिषद् क्षेत्र के वार्ड नंबर 58 से 65 तक और वार्ड 44 से 57 तक के वार्डों को जोड़ा जाएगा।

इसमें 156 करोड़ रु. की लागत से 184 किमी सीवरेज लाइन डाली जाएगी। । गुरुवार को सीकर विधायक राजेंद्र पारीक व नगर परिषद सभापति जीवण खां ने परियोजना का शिल्यानास किया। परियोजना के अंतरगत 19 हजार 30 घरों को सीवरेज लाइन से जोड़ा जाएगा। साथ ही वार्ड 50 से 57 तक की सीमा में आने वाले कोचिंग संस्थानों व होटलों को भी जोड़ा जाएगा। इसके लिए दो एसटीपी 55 एलएमडी के बनाए जाएंगे।

शहर में सीवरेज प्रोजेक्ट का एक चरण पूरा हो चुका है। इसमें 135 किमी की लाइन डाली गई। जिससे करीब 16 हजार 600घरों को जोड़ा गया है। इसी प्रकार दूसरे फेज में 102 किमी में से 100 किमी सीवरलाइन का काम पूरा हो चुका है तथा शेष 2 किमी का काम अभी बाकी है। नगर परिषद एईएन प्रवीण कुमार के अनुसार शहर में इस फेज के बाद चौथे चरण का काम शुरु किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसमें वार्ड 20 से 29 व वार्ड 42 व 43 में काम होना है, जिसे पूरा किया जाएगा। इसके टेंडर हो चुके हैं।

पूरे प्रदेश में सीकर जिला सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सबसे आगे रहा है। चाहे वह चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना हो या महंगाई राहत शिविर में रजिस्ट्रेशन और पट्टे वितरण का काम। सीकर की जनता के लिए लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं।

जून में 45 डिग्री तक अधिकतम रहेगा तापमान बारिश रहेगी सामान्य

सीकर (निजसंवाददाता) | चक्रवाती बारिश का असर मई की तरह जून में भी रहेगा। सात जून तक अंधड़ के साथ जिलेभर में कई स्थानों पर बारिश का दौर जारी रहेगा। चक्रवाती दबाव बढ़ने से तीन जून को शेखावाटी सहित प्रदेशभर में कई स्थानों पर अच्छी बारिश हो सकती है।

कई स्थानों पर तेज अंधड़ का दबाव भी रहेगा। हालांकि आठ जून के बाद दूसरे सप्ताह में लोकल चक्रवात कमजोर पड़ने से एक बार फिर तापमान में बढ़ोतरी होने से गर्मी का असर भी बढ़ सकता है।

इससे जून में औसत बारिश सामान्य और औसत तापमान के मामूली ज्यादा रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान भी 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। 17 से 18 जून के बाद फिर से लोकल चक्रवात सक्रिय होने से कई स्थानों पर जून के अंतिम सप्ताह में भारी बारिश हो सकती है।

पिछले तीस सालों से जून में औसत तापमान 40 डिग्री रहा

मौसम रिपोर्ट के अनुसार जून में तापमान औसत स्तर पर बने रहने की संभावना है। पिछले 30 साल की मौसम रिपोर्ट के अनुसार जून में औसत तापमान 40 डिग्री के करीब है। जो इस साल 41 डिग्री के करीब रह सकता है। तापमान का हाईलेवल 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। हवा का रुख नहीं बदला तो मई की तरह जून में चक्रवात कमजोर रहने से बारिश भी सामान्य रहेगी। सीकर जिले में जून में औसत बारिश 54.4 एमएम मानी जाती है। इस बार भी औसत बारिश 54 एमएम के करीब ही रहने की संभावना है।

जून 1993 में सबसे ज्यादा 49.7 डिग्री दर्ज हुआ था पारा : वेदर रिपोर्ट के अनुसार सीकर में अब तक तीस साल की रिपोर्ट में 12 जून 1993 में सबसे ज्यादा 49.7 डिग्री तापमान दर्ज हुआ था। पांच जून 1993 को सबसे कम 15.6 डिग्री पारा रहा था। सबसे ज्यादा औसत बारिश 1996 में 280.5 एमएम तथा 24 घंटे में सबसे ज्यादा औसत बारिश 183.5 एमएम 26 जून 1996 में दर्ज हुई थी।

इधर, प्री-मानसून की बारिश को खरीफ की खेती के लिए अच्छा संकेत माना जा रहा है। क्योंकि समय से पहले हो रही बारिश से बाजरा व तिलहन समेत कई फसलों की बुआई शुरू हो चुकी है। किसानों को मूंगफली की बुआई के लिए ज्यादा सिंचाई की जरुरत नहीं है। ऐसे में तय रकबे के अनुसार मानसून सीजन से पहले ही खरीफ फसलों की बुआई होने की संभावना है।

श्री गुरु हरगोविंद साहिब का प्रकाशोत्सव मनाया, गुरुद्वारे में किया शबद व कीर्तन

श्रीमाधोपुर (निजसंवाददाता) | सिखों के छठे गुरु श्री गुरु हरगोविंद सिंह साहिब का प्रकाशोत्सव सोमवार को मनाया गया। पंजाबी मोहल्ले में स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में विशेष दीवान सजाया गया। सरदार अर्जुन सिंह ने बताया कि अखंड पाठ के बाद श्रद्धालुओं ने दीन दुनी दा पातशाह, पातशाहा अडोला ... शब्द गायन कर संगत को निहाल किया। इससे पहले श्री. जपजी साहिब का पाठ एवं श्री सुखमणि साहिब के पाठ हुए।

आसा दी वार व शब्द कीर्तन हुए। लंगर प्रसाद के लिए श्रद्धालु अपने घर से मिस्सी रोटी, मक्खन, छाछ, प्याज व अचार लेकर आए तथा अरदास के बाद सभी ने लंगर चखा। सरदार अर्जुन सिंह ने बताया कि प्रवचन के माध्यम से गुरु महाराज के आदर्शों और मीरी-पीरी की व्याख्या करते हुए संगत को बताया कि छठे गुरु हरगोबिंद साहिब का 1595 में प्रकाश हुआ था। वे गुरु अर्जुन देव महाराज की इकलौती संतान थे। सिखों को एक सेना के रूप में संगठित करने का श्रेय उन्हें ही जाता है। गुरु हरगोविंद ने मानवाधिकारों के लिए लड़ाई लड़कर समाज को दिशा दिखाई। मात्र 11 साल की उम्र में उन्होंने 1606 में अपने पिता से गुरु की उपाधि प्राप्त कर ली। गुरु महाराज ने दो तलवारें पहननी शुरू की। एक आध्यात्मिक शक्ति पीरी के लिए और दूसरी मीरी सैन्य शक्ति के लिए। उन्होंने ही अमृतसर में अकाल तख्त का निर्माण करवाया था। इस मौके पर सरदार जगजीत सिंह, लालचंद पंजाबी, भींवराज पंजाबी, मनजीत सिंह, सरदार रतन सिंह, जोगेंद्र सिंह, जसप्रीत सिंह, अमरजीत सिंह, जसकरण सिंह, नरेश खुराना, महेश पंजाबी, आत्मप्रकाश पंजाबी, दीनदयाल सतीजा, यश सतीजा, राजू सपरा, टेकरचंद नारंग एवं मातृ शक्ति मौजूद रही।

सम्पादक,प्रकाशक,मुद्रकः शशिकान्त जोशी, जयन्ती प्रकाशन लक्ष्मणगढ़ (सीकर) राजस्थान | कृष्णा प्रिन्टर्स के लिये सागर कम्प्यूटर, जयपुर द्वारा मुद्रित | प्रबन्ध सम्पादक- डॉ. महेन्द्रआचार्य, समाचार सम्पादक- भानुप्रकाश जोशी
शेखावाटी सन्मार्ग को online पढ़ने के लिये www.srrividya.com वेब साईट विजिटकरें |